Q. What is structuralism? Discuss the difference between structuralism and functionalism.?

Ans → संरचनावाद मनोविज्ञान का सबसे पहला सम्प्रदाय है इस सम्प्रदाय का विकास (1879) में अब औपचारिक रूप से जर्मनी के Leepzing स्थान पर Woundt के द्वारा हुआ। लेकिन विधिवत रूप से उस सम्प्रदाय की स्थापना 1898 में Titchner के द्वारा की गई। उस सम्प्रदाय के अनुसार मनोविज्ञान की विषय-वस्तु चेतन-अनुभूति है और मनोविज्ञान चेतन-अनुभूति की संरचना का अध्ययन केवल उसके अस्तित्व के रूप में करता है चेतन अनुभूति के तीन पक्ष है जिन्हें What How and Why कहते हैं। What का अर्थ है कि चेतन अनुभूति) क्या है?. How का अर्थ है कि चेतन अनुभूति की रचना कैसे हुई। और Why का अर्थ है कि चेतन अनुभूति की उपयोगिता क्यों है?. संरचनावाद चेतन अनुभूति के केवल पहले दो पक्षों का अध्ययन करता है इसलिए Woodworth तथा Sheehan (1975) ने कहा है कि संरचनावाद वह सम्प्रदाय है जो चेतन अनुभूति के What aspect तथा How aspect का अध्ययन करता है उन्होंने कहा "Structuralism is a School of psychology which deals with the what and the how aspects of consciousness".

संरचनावाद के विकास के बाद अमेरिका में उसका जोरदार विरोध किया गया। उसके विरोध में एक-दूसरे सम्प्रदाय का विकास हुआ जिसे प्रकार्यवाद की संज्ञा दी गई। प्रकार्यवाद के विकास में

John dewey, Angell तथा Carr ने विशेष रूप से योगदान दिया। वे सभी शिकागो विश्वविद्यालय के विद्वान थे। इसलिए उनके प्रकार्यवाद को शिकागो प्रकार्यवाद कहते हैं। आगे चलकर Columbia University में Thorndike, Cattell and Woodworth ने प्रकार्यवाद को विकसित किया। उसे Columbia प्रकार्यवाद कहा जाता है। प्रकार्यवाद ने भी चेतन अनुभूति को ही Psychology की विषय-वस्तु माना। लेकिन उन्होंने चेतन अनुभूति के तीनों पक्षों पर बल दिया। इसलिए संरचनावाद तथा प्रकार्यवाद के बीच कई तरह के अन्तर पाए जाते हैं।

(1) संरचनावाद पहले स्थापित हुआ और प्रकार्यवाद बाद में स्थापित हुआ। संरचनावाद की स्थापना अन- औपचारिक रूप से (1879) में हुई और औपचारिक रूप से (1898) में हुई। दूसरी ओर प्रकार्यवाद की स्थापना (1899) में हुई। असल में प्रकार्यवाद संरचनावाद के विरोध में एक प्रक्रिया के रूप में विकसित हुआ।

(2) संरचनावाद के विकास में केवल दो मनोवैज्ञानिकों ने योगदान दिया। वे दो मनोविज्ञानिक Wundt तथा Titchner हैं। Wundt ने संरचनावाद के विकास के लिए एक अनुकूल पृष्ठभूमि का निर्माण किया और Titchner ने इसी पृष्ठभूमि में संरचनावाद को एक सम्प्रदाय के रूप में प्रस्तुत किया। इसके विपरीत प्रकार्यवाद के विकास में अनेक मनोवैज्ञानिकों ने योगदान दिया। जिनमें Dewey, Angell, Carr आदि महत्वपूर्ण हैं।

(3) संरचनावाद का विकास जर्मनी में हुआ जबकि प्रकार्यवाद का विकास अमेरिका में हुआ। संरचनावाद की स्थापना जर्मनी के

Scanned with CamScanner

Leipzig नामक स्थान पर की गयी।
दूसरी ओर प्रकार्यवाद की स्थापना अमेरिका
में शिकागो विश्व-विद्यालय में हुई।

(4) संरचनावाद में चेतन अनुभूति की रचना पर बल दिया गया। कहा गया कि मनोविज्ञान चेतन अनुभूति की रचना का अध्ययन करता है। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन-अनुभूति के कार्य पर बल दिया गया। कहा गया कि मनोविज्ञान चेतन-अनुभूति के कार्य या उसकी उपयोगिता का अध्ययन करता है।

(5) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के केवल दो पक्षों पर बल दिया गया। उसके what aspect तथा How aspect का अध्ययन किया गया और why aspect का अध्ययन नहीं किया गया। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति के तीनों पक्षों का अध्ययन किया गया।

(6) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के तत्वों का अध्ययन किया गया उसके तीन तत्व बतलाए गए जिन्हें संवेदना, भाव तथा प्रतिमा कहते हैं इसलिए संरचनावाद को तत्ववाद भी कहा जाता है लेकिन प्रकार्यवाद में तत्वों का अध्ययन नहीं किया गया।

(7) संरचनावाद में अन्तः निरीक्षण को मनोविज्ञान की विधि माना गया। कहा गया कि चेतन अनुभूति के तत्वों के लिए एक मात्र विधि अन्तः निरीक्षण है इसलिए संरचनावाद को अन्तः निरीक्षण वाद भी कहा जाता है दूसरी ओर प्रकार्यवाद में विविध अध्ययन विधि तथा तात्कालिक निरीक्षण विधि को मनोविज्ञान का अध्ययन विधि माना गया।

(8) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के घटकों पर बल दिया गया। इसलिए संरचनावाद को

घटकवाद भी कहा जाता है दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति की क्रिया पर बल दिया गया। इसीलिए प्रकार्यवाद को क्रिया मनोविज्ञान भी कहा जाता है।

(9) संरचनावाद एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण था। इसलिए उसको विश्लेषणवाद भी कहते हैं उसमें चेतन अनुभूति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति का समग्र अध्ययन किया गया। इसीलिए प्रकार्यवाद को समग्र मनोविज्ञान भी कहते हैं।

वर्तमान स्थिति यह है कि प्रकार्यवाद तथा संरचनावाद के विरोध में बहुत कुछ समाप्त हो गया। इनदोनों के बीच अन्तर क्रमशः घट गई। लेकिन अन्तः-निरीक्षण आज भी जीवित है। Woodworth तथा Sheehan (1975) ने कहा है कि आज शुद्ध रूप में न कोई संरचनावादी मनोवैज्ञानिक है और न कोई प्रकार्यवादी मनोवैज्ञानिक है किन्तु संरचनावाद किसी रूप में आज भी जीवित है मनोविज्ञान का आधुनिकतम सम्प्रदाय अस्तित्ववाद या संज्ञानात्मक मनोविज्ञान है जो वस्तुतः संरचनावाद के पुनर्जागरण का संदेश देता है।

Scanned with CamScanner

QUESTION → What is Contribution of Functionalism

Ans → प्रकार्यवाद का प्रारम्भ 1898 के लगभग Chicago University में हुआ था। इसका आरम्भ करने वाले में James, Rowland, Angell or Johan Dewey का नाम उल्लेखनीय है। प्रकार्यवाद का विकास संरचनावाद के प्रतिक्रिया के रूप में हुआ था। संरचना में मानसिक तत्वों व प्रक्रियाओं को वस्तु के रूप में स्वीकार किया गया है तथा एक निश्चित उद्देश्य के लिए भी होती है और निरन्तर घटित होती है प्रकार्यवाद के अनुसार मनोविज्ञान का कार्य यह जानना है कि मानसिक क्रियाएं कैसे और क्यों होती है और उनकी उपयोगिता क्या है? उसमें यह माना जाता है कि मन और शरीर में adjustment है जिसके आधार पर मानसिक क्रियाएँ होती है Johan Dewey का जन्म U.S.A. में 1659 में हुआ था। ये दर्शन शास्त्र के विद्वान थे और 1884 में दर्शनशास्त्र में P.H.D. की Colambia University में कार्यरत रहते हुए 1952 में गत हो गए। इनका कहना है कि मनोविज्ञान का अध्ययन समाज और व्यक्ति दोनों के लिए उपयोगी है मनोविज्ञान के अध्ययन के द्वारा व्यक्ति और समाज की समस्याओं को सुलझाया जा सकता है Johan Dewey का दृष्टिकोण प्रयासवादी था। क्योंकि वह प्रयासवादी दर्शन में विश्वास रखते थे। यह उल्लेखनीय है कि प्रयासवादी दृष्टिकोण ही प्रकार्यवाद का आधार है।

① Continuity mental activity → उनके अनुसार

होती रहती है।
मानसिक क्रिया निरन्तर होती रहती है। कभी अवस्था नहीं आती और कभी भी ऐसी अवस्था नहीं आती कि एक कार्य है जबकि यह माना जाए कि एक कार्य समाप्त हो गया है और दूसरा कार्य आरम्भ हो गया जो कि धारा के समान मानसिक प्रक्रिया को प्रभावित करती रहती है और प्रत्येक मानसिक क्रिया से व्यक्ति कोई न कोई इच्छा अवश्य पूरी होती है। ~~बालक~~ बालक का हाथ जलना, आग देखना वहाँ तक पहुँचना पथ में एक क्रिया है। यह इतना तेजी से होता है कि इसे पृथक नहीं किया जा सकता है।

② Stimulus Response →

उद्दीपन और अनुक्रिया के बारे में John Dewey ने बताया है कि ये भी निरन्तर होती रहती है। यह जानना असम्भव है कि कहाँ पर उद्दीपन समाप्त होता है और कहाँ पर अनुक्रिया आरम्भ होती है। उनका स्वरूप प्रकार्यमूलक है तथा निरंतर घटित होते रहते हैं।

③ Environment and adjustment →

Dewey ने जीव और उसके वातावरण के बीच प्रकार्यमूलक सम्बन्ध मानते हुए बताया है कि जीव के समस्त मनोवैज्ञानिक घटनाएँ वातावरण से समायोजन स्थापित करने का प्रयास मात्र है। समस्त मानसिक कार्य के उद्देश्य होते हैं और इसलिए मानसिक प्रकार्यों पर बल दिया जाता है। Dewey ने बुद्धि को केवल एक मानसिक योग्यता ही नहीं माना वरन यह माना है कि बुद्धि भविष्य के कार्यों में व्यवस्था और निर्देशन लाने

का प्रयास करती है।

अन्त में मनोविज्ञान में Dewey के योगदान के विषय में यह कहा जाता है कि उन्होंने प्रकार्यवाद के केवल प्रारम्भिक स्वरूप पर प्रकाश डाला है और उतनी स्पष्ट व्याख्या नहीं कर पाया जितना कि Angell ने किया है।

<u>James Rowland Angell</u> (1867 - 1949)

<u>Angell का योगदान</u> →

Angell का योगदान functionalism के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। Angell का जन्म 1867 में हुआ था। तथा उनकी शिक्षा Harvard University में हुई। ये William James के छात्र थे मनोवैज्ञानिक विचार तथा प्रयोग में उनसे सहमत थे। उन्होंने जर्मनी में प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में काम किया और ~~Chicag~~ Chicago में आकर Professor बने। यहाँ पर वे Johan Dewey से मिलकर प्रकार्यवाद की संभावना में उनकी मदद की

Angell ने बताया कि प्रकार्यवाद और संरचना वाद में अन्तर है उन्होंने बताया कि प्रकार्यवाद का सम्बन्ध प्रक्रिया से है अतः यह संरचना वाद से पृथक है। जिसका सम्बन्ध content से है प्रकार्यवाद में यह जानने के लिए अध्ययन किया जाता है कि मानसिक तत्वों की प्रक्रिया क्या है? दूसरी ओर संरचनावाद में अध्ययनकर्ता मानसिक तत्वों के विश्लेषण पर हि अपना अध्ययन केन्द्रित करता है।

संरचनावाद की यह मान्यता है कि मानसिक तत्व एक प्रकार से

निश्चित होते हैं और उसमें परिस्थिति के अनुसार अभियोजन करने की क्षमता नहीं होती दूसरी, ओर प्रकार्यवाद में यह माना जाता है कि मानसिक क्रियाओं में परिस्थिति के अनुसार अभियोजन की शक्ति होती है।

प्रकार्यवाद सम्प्रदाय उपयोगिता पर बल देते हैं उनकी यह सब मान्यता है कि मनोविज्ञान का अध्ययन केवल अध्ययन के लिए न होकर उस दृष्टि से किया जाए कि उसके अध्ययन से क्या लाभ प्राप्त होगा। यू तो मनोविज्ञान के अध्ययन का कोई न कोई उद्देश्य होता है। वरन प्रकार्यवाद में यह माना गया है कि यह उद्देश्य लाभदायक है मनोविज्ञान का अध्ययन इसलिए किया जाता है कि व्यक्ति की कुशलता में वृद्धि हो सके। Applied Psychology इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि इसी के फलस्वरूप इसका तीव्र गति से विकास हुआ है यह ज्ञात हुआ है कि शिक्षा और औद्योगिक क्षेत्र में मनोविज्ञान बहुत हि ज्यादा उपयोगी है।

Harvey A carr (1883-1954) →

प्रकार्यवाद का आरम्भ किया था Dewey or Angell ने परन्तु प्रकार्यवाद को प्रौढ़ता Carr के अध्यक्षता में मिली। प्रकार्यवाद में Carr के योगदान निम्नलिखित है।

(1) Mental Activity →

उनके अनुसार मानसिक क्रिया एक ऐसा प्रत्यक्ष है, जो प्रत्यक्ष ज्ञान, स्मृति, कल्पना, चिंतन

इच्छा, शक्ति, निर्णय इत्यादि मानसिक क्रियाओं का योगात्मक है। मानसिक क्रिया के स्वरूप के विषय में carr ने लिखा है "mental activities is concern with the acquisition fixcation, Retention, organisation and evaluation of experience and their subsequent utilization in the guidance of conduct." "मानसिक क्रिया एक ऐसी क्रिया है जो ग्रहण, निश्चयीकरण, धारणा संगठन अनुभवों का मूल्यांकन और आचार्य के निर्देशन में उनकी उपयोगिताओं से सम्बन्ध रखता है।"

② Mind and body →

मानसिक शब्द से मनोवैज्ञानिक का तात्पर्य व्यवहार है वैज्ञानिक और शारीरिक दोनों पक्षों से है। मन और शरीर की व्याख्या करते हुए carr का कहना है कि व्यवहार का अध्ययन करने के लिए मनोवैज्ञानिक शारीरिक, आधारों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक समझते हैं। carr ने मानसिक क्रिया को समन्वजन मूलक व्यवहार (Adjustable behaviour) माना है उनके अनुसार समंजन मूलक व्यवहार में अभिप्रेरक उद्दीपन की ओर ध्यान दिया और उसकी व्याख्या की। इनके अनुसार प्रेरक एक ऐसा निरन्तर उद्दीपक है जो व्यक्ति के व्यवहार को तब तक प्रेरित किया रहता है जब तक कि अभिष्ट-कार्य पूर्ण नहीं हो जाता। अतः समन्जन मूलक व्यवहार तब तक

बना रहता है जब तक कि सम्बन्धित कार्य पूर्ण नहीं हो जाता है।

③ Environment (पर्यावरण) →

Carr ने पर्यावरण के बारे में बताया कि पर्यावरण की परिस्थितियाँ भी व्यक्ति को कार्य के लिए प्रेरित करती है। व्यक्ति को अपने समायोजन के लिए अपने पर्यावरण में ऐसा परिवर्तन लाना पड़ता है जो उसे विशेष संतोष प्रदान कर सके। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष कार्य के लिए उद्यम करता है। तब यह कहा जा सकता है कि उसका उद्देश्य अपने पर्यावरण में ऐसा परिवर्तन लाना है जो कि उसे संतोष प्रदान कर सके। Harvey व Carr पर्यावरण में प्रेरित लाए तथा उसे एक पृथक सम्प्रदाय के रूप में समकालीन मनोवैज्ञानिकों द्वारा मान्यता दिलाये।

// Columbia university में प्रकार्यवाद मनोविज्ञान की ओर भी प्रयास हुआ। जिस तरह Sikago में प्रकार्यवाद को विकसित करने वाले तीन मनोवैज्ञानिक थे। उसी तरह यहाँ भी James Cattell, Adward Thorndike or Roberts woodworth इन तीनों ने प्रकार्यवाद मनोविज्ञान के लिए बहुत कुछ किया। Cattell ने बुद्धि और व्यक्तिगत भिन्नता पर बहुत बल दिया और अमेरिका में बुद्धि मापक परीक्षण कार्य को प्रारम्भ किया उसमें उन्होंने Statistic का प्रयोग किया और इसी आधार पर व्यक्तिगत भिन्नता को साबित किया।

Thorndike Cattell

के शिष्य थे। ये पशुओं पर बुद्धि से सम्बन्धित विषय पर अध्ययन किया तथा बालकों पर शिक्षण तथा बुद्धि सम्बन्धी अध्ययन किए।

Woodworth ने dynamic Psychology पर पुस्तक लिखा और अभिप्रेरण, उद्दीपन सम्बन्धी (Motivation to Stimulus) सिद्धान्तों की व्याख्या की। उनकी एक प्रसिद्ध पुस्तक कि उक्ति है कि "यंत्र स्वयं प्रेरक बन जाता है।" "The mechanism becomes a drive"

इसका अर्थ यह है कि स्नायुमण्डल और मन के योग से जो मानसिक क्रिया होती है वह स्वयं प्रेरक का रूप धारण कर लेती है।

अतः उपर्युक्त तथ्यों को देखने के बाद यह पता चलता है कि प्रकार्यवाद का आधुनिक मनोविज्ञान में कुछ निम्नलिखित योगदान है।

(i) प्रकार्यवाद ने सम्पूर्ण व्यक्ति के अध्ययन पर बल दिया है।

(ii) प्रकार्यवाद में मन और शरीर को एक तत्व के रूप में स्वीकार किया है।

(iii) प्रकार्यवाद ने समायोजन पर बल दिया है।

(iv) प्रकार्यवाद के द्वारा बाल मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान, पशु मनोविज्ञान आदि मनोविज्ञानों का विकास हुआ तथा शिक्षण, बुद्धि एवम् व्यक्तित्व विकास में परीक्षण का विकास हुआ।

Scanned with CamScanner